ओ मेरे बालेपन के यार,
सुदामा कैसे आए,
भाई सुदामा कैसे आए,
यार सुदामा कैसे आए,
ओ मेरे बालेंपन के यार,
सुदामा कैसे आए।।

तर्ज अनोखी थारी झाँकी।

तन्ने क्यो तकलीफ़ उठाई,
तेरे पावा पटी बिवाई,
मैं ये पूछूँ बारम्बार,
सुदामा कैसे आए,
ओ मेरे बालेंपन के यार,
सुदामा कैसे आए।।

जब पैर सुदामा के धोए,
छालों को देख के रोए,
दोनो मिल रहे भुजा पसार
सुदामा कैसे आए,
ओ मेरे बालेंपन के यार,
सुदामा कैसे आए।।

जब आसन बीच बिठाया,

छत्तीसों भोजन लाया
दोनों जीमें करके प्यार,
सुदामा कैसे आए,
ओ मेरे बालेंपन के यार,
सुदामा कैसे आए।।

ओ मेरे बालेपन के यार,
सुदामा कैसे आए,
भाई सुदामा कैसे आए,
यार सुदामा कैसे आए,
ओ मेरे बालेंपन के यार,
सुदामा कैसे आए।।

Source:
https://www.bharattemples.com/o-mere-balapan-ke-yaar-sudama-kaise-aaye/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw